कक्षा- आठवीं , विषय– हिन्दी

अधिन्यास -1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

(पठित काव्यांश,अनुस्वार,अनुनासिक,नुक्ता,'र'के रूप)

प्र.1) निम्नलिखित काव्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचेलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

ऐसे थे अरमान कि उड़ते
नील गगन की सीमा पाने ,
लाल किरण-सी चोंच खोल
चुगते तारक-अनार के दाने|
होती सीमाहीन क्षितिज से
इन पंखों की होड़ा-होड़ी ,
या तो क्षितिज मिलन बन जाता
या तनती साँसों की डोरी |
नीड़ न दो,चाहे टहनी का
आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो ,
लेकिन पंख दिए हैं, तो
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो |

1. प्रस्तुत काव्य की पंक्तियों में पंछी उन्मुक्त होकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहता है?
2. पंछी अपने पंखों की प्रतिस्पर्धा किसके साथ करना चाहता है?
3. पंछी की उड़ान का क्या परिणाम होता है?
4. अपनी उड़ान में रूकावट नडालने के बदले पंछी किन वस्तुओं का बलिदान देने को तैयार है?
5. पंछी की चोंच व तारों की तुलना किससे की है?
6. प्रस्तुत काव्यांश के माध्यम सेकवि मनुष्य को किसका मूल्य बताना चाहते हैं?
7. प्रस्तुतपद्यांश का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए–

प्र.2 दिए गए काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

ओ वसुधा के रहने वालों ,
रहो सर्वदा प्यार से|
नाम अलग है देश-देश के ,
पर वसुंधरा एक है|
फल-फूलों के रूप अलग पर ,
भूमि उर्वरा एक है|

धराबाँटकर ह्रदय न बाँटों,
दूर रहो संहार से|
कभी न सोचो तुम अनाथ,
एकाकी या निष्प्राण रे|
बूँद-बूँद करती है मिलकर,
सागर का निर्माण रे|
लहर-लहर देती सन्देश यह,
दूर क्षितिज के पर से|
धर्मवहीं है जो करता है,
मानव का उद्धार रे|
धर्म नही वह जो की डाल दे ,
दिल में एक दरार रे|
करो न दूषित आँगन मन का,
नफरत की दीवार से|

1. धरतीमनुष्य से क्या कह रही है?
2. धरती को बाँटने के बाद अब मनुष्य किसेबाँटने का प्रयास कर रहा है?
3. कवि के अनुसार सच्चा धर्म क्याहै ?
4. कवि ने एकता प्रदर्शित करने के लिए क्या उदाहरण दिया है?
5. प्रस्तुत कविता के माह्यम सेकविने भारतवासियों को क्या सन्देश दिया है?

<u>प्र.3निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक चिह्न लगाइए</u>-

1. चाद
2. आदोलन
3. पैतीस
4. ध्वनिया
5. हीग

<u>प्र.4 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्तालगाइए</u>-

1. जरूर
2. सजा
3. सफेद
4. फरियाद